दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
04 Jan 2020

आरएसडीसी का बहुत अच्छा प्रयास है और मोबाइल वैन एक लाख टायर मकैनिकों के प्रशिक्षण एवम प्रमाणित करने के नये लक्ष्य में अहम भूमिका निभायेंगी। -डॉ. महेंद्र नाथ पांडे,

सड़क सुरक्षा के लिए सामर्थ परियोजना आरंभ

भास्कर न्यूज

नई दिल्ली। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा और कुशल परिवहन के अभियान को तेज करते हुए रबर स्किल डेवलपमेंट काउंसिल आरएसडीसी के समक्ष मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान एक लाख टायर मैकेनिकों के कौशल प्रशिक्षण एवं प्रमाणित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। चालू वर्ष के दौरान अब तक आरएसडीसी की सामर्थ परियोजना के अन्तर्गत 19 राज्यों के 119 जिलों में 35 हजार टायर फिटर्स को प्रशिक्षित करके उनको रि-स्किल्ड, अपस्किल्ड और प्रमाणित किया जा चुका है।

एक क्लास रूम प्रशिक्षण के बजाय सामर्थ परियोजना के तहत मोबाइल कौशल वैन विशेष रूप से विकसित की गई हैं। जो टायर फिटिंग उपकरणों से सुसज्जित हैं। इस अभियान के तहत प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा संचालित यह वैन देश के टायर मैकेनिकों तक पहुंच रहे हैं। इसी प्रयास के तहत पिछले दिनों कौशल विकास और उद्यमिता केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडे ने 18 मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। जिसके साथ कुल मोबाइल वैन की संख्या 40 हो गई है।

योजना का शुभारंभ करते अतिथिगण।

पांडेय ने कहा यह आरएसडीसी का बहुत अच्छा प्रयास है और मोबाइल वैन एक लाख टायर मकैनिकों के प्रशिक्षण एवम प्रमाणित करने के नये लक्ष्य में अहम भूमिका निभायेंगी। यह मोबाइल वैन राजमार्गों, गांवों और कस्बों में घूमते हुए टायर की सर्विसिंग और रखरखाव में आवश्यक कौशल के बारे में जागरूकता बढ़ाएंगी। विनोद साइमन अध्यक्ष आरएसडीसी ने कहा कि टायर मैकेनिक बड़े पैमाने पर असंगठित हैं और औपचारिक रूप से कुशल नहीं हैं। जबकि विशेष रूप से कमर्शियल टायर्स की फिटिंग के लिए औपचारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। कुशल रख-रखाव वाहनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए बहुत जरूरी है। आरएसडीसी ने सड़क सुरक्षा और आर्थिक विकास के हित में टायर मैकेनिकों को प्रशिक्षित करने की पहल की है। कार्यक्रम के तहत टायर फिटरों को व्हील अलाइंमेंट और टायर बदलने के दौरान अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं और सुरक्षा विधियों को सिखाया जा रहा है।